SMT. URMILA SRIVASTAVA

Smt. Urmila Srivastava is an esteemed figure in the realm of Kajri and folk songs of Eastern Uttar Pradesh. Her soul-stirring folk songs, enriched with beautiful melodies, narrate tales of the soil using metaphors drawn from rural life. These songs, originating from the soil, have remained the dominant expression of her musical journey.

2. Born on 28th October, 1949, Smt. Srivastava lost her parents at a very young age. Early in life, she faced the challenge not only to feed and raise her three small brothers but also to continue her schooling. Despite her continued struggles, she not only braved the circumstances but also followed her passion for music.

3. Smt. Srivastava has been an artist of Allahabad Radio and Doordarshan for over five decades and an empanelled artist with the Indian Council for Cultural Relations. With a legacy spanning more than forty years, she has nurtured budding talents as a revered music lecturer at Arya Kanya Inter College, Mirzapur. She also utilized her musical expertise to popularize folk music by conducting workshops organized by government and private sectors for thousands of students of various ages and diverse backgrounds, aspiring to be singers.

4. Smt. Urmila Srivastava was a member of the Music Audition Board, AIR; a member of the National Plan for Action for Women, Government of Uttar Pradesh; a distinguished member of Vindhaya Mahotsava, a government nominee Director, Cooperative Bank, Mirzapur, and a Government Nominee Member, Municipal Board, Mirzapur.

5. Smt. Srivastava has carved out an impressive musical journey, performing both at national and international platforms. She has represented India in events such as the 'Festival of India' in Bhutan in 2003, the 'Vishwa Bhojpuri Sammelan' in Mauritius in 2009, the Alliance Francaise Monsoon Programme in Delhi in 2006, and 'Apna Utsav' in Mumbai in 1986 among others. She has also performed at various state Mahotsava such as 'Ganga Mahotsav' in Varanasi, 'Prayag Mahotsav' in Prayag, 'Rihand Mahotsav' in NTPC, 'Siddharth Mahotsav' in Basti, 'Ramayan Mahotsav' in Prayagraj, and 'Ramotsav' in Ayodhya.

6. Smt. Srivastava has received several recognitions and honours, such as the 'Academy Ratan Sammaan' of Sangeet Natak Academy, Uttar Pradesh, in 2023, the Bhikhari Thakur Sammaan' in 2006, the 'Karmyogi Misir Puhtaiya Ratan Sammaan' in 2009, Karmyogi Puruskar given during Vishwa Bhojpuri Sammelan in Mauritius and many more. Embellished with titles like 'Kajari Samragi and' 'Kokila', Smt. Urmila Srivastava's musical journey, with unparalleled achievements, is exemplary and astounding.

श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव

श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव पूर्वी उत्तर प्रदेश के कजरी और लोकगीतों की लब्धप्रतिष्ठ कलाकार हैं। सुंदर माधुर्य से समृद्ध उनके मर्मस्पर्शी लोकगीत, ग्रामीण जीवन के रूपकों के माध्यम से आमजन की कहानियां सुनाते हैं। आमजन के जीवन के ये गीत उनकी संगीत यात्रा में प्रमुख स्थान रखते हैं।

2. श्रीमती श्रीवास्तव का जन्म 28 अक्टूबर, 1949 को हुआ। जब वह बहुत छोटी थीं तभी उनके माता–पिता का देहांत हो गया। अल्पायु में ही उन्हें न केवल अपने तीन छोटे भाइयों को पालने बल्कि अपनी स्कूली शिक्षा जारी रखने की चुनौती का सामना करना पड़ा। सतत संघर्ष के बावजूद, उन्होंने न केवल परिस्थितियों का सामना किया, बल्कि संगीत के लिए अपना जुनून भी जारी रखा।

3. श्रीमती श्रीवास्तव पांच दशक से अधिक समय तक इलाहाबाद रेडियो और दूरदर्शन में कलाकार रहीं हैं और वह भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पैनल में शामिल कलाकार हैं। चालीस वर्ष से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने आर्य कन्या इंटर कॉलेज, मिर्जापुर में एक प्रतिष्ठित संगीत व्याख्याता के रूप में उभरती प्रतिभाओं का पोषण किया है। उन्होंने अपनी संगीत की समझ का उपयोग करके गायक बनने के इच्छुक अलग–अलग आयु और विविध पृष्ठभूमि के हजारों छात्रों के लिए सरकारी और निजी क्षेत्रों की ओर से कार्यशालाओं का आयोजन करते हुए लोक संगीत को जनप्रिय बनाया है।

4. श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव संगीत ऑडिशन बोर्ड, आकाशवाणी की सदस्य; उत्तर प्रदेश सरकार की महिलाओं के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना की सदस्य; विंध्य महोत्सव की एक प्रतिष्ठित सदस्य, सहकारी बैंक, मिर्जापुर में सरकार द्वारा नामित निदेशक और नगरपालिका बोर्ड, मिर्जापुर में सरकारी नामित सदस्य थीं।

5. श्रीमती श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुतियां दी हैं और उनकी संगीत यात्रा प्रभावशाली रही है। उन्होंने अन्य आयोजनों के अलावा, 2003 में भूटान में 'फेस्टिवल ऑफ इंडिया', 2009 में मॉरीशस में 'विश्व भोजपुरी सम्मेलन', 2006 में दिल्ली में एलायंस फ्रेंकाइस मानसून कार्यक्रम, और 1986 में मुंबई में 'अपना उत्सव' जैसे कार्यक्रमों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वाराणसी में 'गंगा महोत्सव', प्रयाग में 'प्रयाग महोत्सव', एनटीपीसी में 'रिहंद महोत्सव', बस्ती में 'सिद्धार्थ महोत्सव', प्रयागराज में 'रामायण महोत्सव' और अयोध्या में 'रामोत्सव' जैसे विभिन्न राज्य महोत्सव में भी प्रस्तुतियां दी हैं।

6. श्रीमती श्रीवास्तव को कई प्रशस्तियां और सम्मान मिले हैं, जैसे 2023 में संगीत नाटक अकादमी, उत्तर प्रदेश का 'अकादमी रत्न सम्मान', 2006 में भिखारी ठाकुर सम्मान', 2009 में 'कर्मयोगी मिसिर पुहतैया रत्न सम्मान', मॉरीशस में विश्व भोजपुरी सम्मेलन के दौरान कर्मयोगी पुरस्कार और कई अन्य पुरस्कार एवं सम्मान। 'कजरी साम्राज्ञी' और 'कोकिला' जैसे नामों से अलंकृत, श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव की अद्वितीय उपलब्धियों से सुसज्जित संगीत यात्रा अनुकरणीय और अद्वितीय है।